>

Title: Need to develop Buxar District in Bihar as a cultural heritage site.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): सभापति महोदय, मैं बिहार प्रदेश के बक्सर नगर के बारे में आपके माध्यम से चर्चा करना चाहता हूं।

बक्सर के महत्व को मुझे इस रूप में आपके सामने रखना है कि विश्वामित्र के आश्रम में श्री भगवान ने ज्ञान प्राप्त किया था। बक्सर राष्ट्र की एक सांस्कृतिक धरोहर है, जहां भगवान राम ने ज्ञान प्राप्त किया था और अयोध्या में राजकुमार बनने के बाद उनके भगवान बनने की क्रिया वहीं से शुरू हुई थी।

आज बक्सर बिल्कुल अनाथ की तरह पड़ा हुआ है। विश्वामित्र का आश्रम, जितने प्राचीन हमारे स्थान हैं, बिहार सरकार की उदासीनता और भारत सरकार की लापरवाही के कारण, आर्केलॉजी और पर्यटन विभाग की दृष्टि में न होने के कारण नष्ट होते चले जा रहे हैं। गंगा के किनारे अवस्थित बक्सर पौराणिक काल का सबसे महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यहां से ज्ञान प्राप्त कर भगवान राम ने लंका की विजय प्राप्त की थी। मैं बक्सर की चर्चा इसलिए करना चाहता हूं, क्योंकि हमारे जितने पौराणिक काल के स्थान थे, लोगों की लापरवाही के कारण समाप्त होते जा रहे हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि आर्केलॉजी डिपार्टमेंट (पुरातत्व विभाग), ऐसे स्थानों को संरक्षित करे और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में बक्सर को विकसित करे। वहां लाइट एंड साउंड केंद्र सरकार के द्वारा स्थापित था, जो लंबे समय से लापरवाही के कारण आज समाप्त हो गया है। उसका पुनर्स्थापन करे और पर्यटन की दृष्टि से हर तरह से बक्सर को विकसित करे, ताकि राष्ट्र का यह सांस्कृतिक केंद्र फिर अपने गौरव और वैभव को प्राप्त कर सके।